**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 3969**

**25 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**भारत से उत्पादन और निर्यात**

**3969. डॉ. सी.एम. रमेश:**

**क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) गत दस वर्षों और चालू वर्ष के दौरान भारत में वस्त्र उत्पादन और निर्यात का वर्षवार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत दस वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान भारत के वस्त्र उत्पादन एवं निर्यात की बांग्लादेश के साथ वर्ष-वार तुलना किस प्रकार की जा सकती है;

(ग) क्या भारतीय कपड़ा क्षेत्र बांग्लादेश संकट का लाभ उठा रहा है क्योंकि बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग भारत की ओर देख रहा है;

(घ) क्या इस संबंध में भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ के साथ कोई परामर्श किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार अनकापल्ली में टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने पर विचार कर रही है क्योंकि वहां एक विशाल परिधान पार्क भूमि है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**वस्त्र राज्य मंत्री**

**(श्री पबित्र मार्घेरिटा)**

**(क) और (ख):** चालू वर्ष सहित पिछले दस वर्षों के दौरान हस्तशिल्प सहित भारतीय वस्त्र एवं अपैरल निर्यात का ब्यौरा निम्नानुसार है:

**मूल्य मिलियन अमरीकी डॉलर में**

| वस्तु | वि. वर्ष 2014-2015 | वि. वर्ष 2015-2016 | वि. वर्ष 2016-2017 | वि. वर्ष 2017-2018 | वि. वर्ष 2018-2019 | वि. वर्ष 2019-2020 | वि. वर्ष 2020-2021 | वि. वर्ष 2021-2022 | वि. वर्ष 2022-2023 | वि. वर्ष 2023-2024 | अप्रैल-दिसंबर 2024 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| हस्तशिल्प सहित कुल टीएंडए | 38,183 | 37,340 | 37,398 | 37,546 | 38,397 | 35,177 | 31,585 | 44,435 | 36,686 | 35,874 | 27,430 |

स्रोत: डीजीसीआईएस अनंतिम डेटा

भारतीय वस्त्र उद्योग विश्व के सबसे बड़े उद्योगों में से एक है, जिसके पास कच्चे माल का बड़ा आधार है और फाइबर से लेकर फैब्रिक और गारमेंट तक संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में विनिर्माण क्षमता है। भारत के पास कपास, रेशम, ऊन, जूट के साथ-साथ मानव निर्मित फाइबर सहित प्राकृतिक फाइबर का एक मजबूत कच्चा माल आधार होने का लाभ है। भारत विभिन्न देशों को वस्त्रों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का निर्यात करता है। भारत को बांग्लादेश जैसे पड़ोसी प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन आदि जैसे कुछ बाजारों में टैरिफ नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। बांग्लादेश शीर्ष अपैरल निर्यातक देशों में से एक है। अपनी विनिर्माण आवश्यकता के लिए, बांग्लादेश भारत सहित विश्व से यार्न, फैब्रिक और फाइबर का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है। इस तरह, दोनों देश एक-दूसरे से भिन्न हैं।

**(ग) और (घ):** सरकार भारतीय वस्त्रों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं/पहलें क्रियान्वित कर रही है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में आधुनिक, एकीकृत, विश्व स्तरीय वस्त्र अवसंरचना बनाने के लिए पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र) पार्क योजना; बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए एमएमएफ फैब्रिक, एमएमएफ अपैरल और तकनीकी वस्त्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाली उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना; अनुसंधान नवाचार और विकास, संवर्धन और बाजार विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाला राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन; मांग आधारित, रोजगार उन्मुख, कौशल कार्यक्रम प्रदान करने के उद्देश्य से वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए समर्थ योजना; रेशम उत्पादन मूल्य श्रृंखला के व्यापक विकास के लिए सिल्क समग्र-2; हथकरघा क्षेत्र को शुरू से अंत तक समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम शामिल हैं। वस्त्र मंत्रालय द्वारा हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम और व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना भी क्रियान्वित की जा रही है। सरकार संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला से संबंधित विभिन्न मुद्दों के समाधान हेतु हितधारकों से निरंतर संपर्क स्थापित कर रही है।

**(ङ):** वस्त्र क्षेत्र में निवेश बढ़ाने, रोजगार के अवसर उत्पन्न करने और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंत्रालय देश भर के वस्त्र केंद्रों में विश्व स्तरीय, अत्याधुनिक अवसंरचना के साथ वस्त्र पार्क स्थापित करने के लिए सहायता प्रदान करने हेतु एकीकृत वस्त्र पार्क (एसआईटीपी) योजना क्रियान्वित कर रहा है। यह योजना 31.03.2021 तक लागू थी; तथापि, अब इस योजना को केवल चालू परियोजनाओं को पूरा करने के लिए टेक्सटाइल क्लस्टर विकास योजना (टीसीडीएस) की अम्ब्रेला योजना के अंतर्गत शामिल कर दिया गया है। एसआईटीपी के तहत, आंध्र प्रदेश में 4 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें ब्रांडिक्स इंडिया अपैरल सिटी प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापट्टनम, हिंदूपुर व्यापार अपैरल पार्क लिमिटेड अनंतपुरम, तारकेश्वर टेक्सटाइल पार्क, नेल्लोर और गुंटूर टेक्सटाइल पार्क, गुंटूर शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने ग्रीनफील्ड/ब्राउनफील्ड साइटों पर प्लग एंड प्ले सुविधा सहित विश्व स्तरीय अवसंरचना के साथ 7 (सात) पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र) पार्कों की स्थापना को मंजूरी दी है।

****